



## प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

### प्रलिस के लयः

सामाजक-आर्थक जातजनगणना (SECC) 2011, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधनियम (NFSA) पोर्टल, आयुषमान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ABPMJAY)।

### मेन्स के लयः

स्वास्थ्य, मानव संसाधन, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभ।

### चर्चा में क्यों?

[नई दलिली नगर परषिद \(NDMC\)](#) ने अपने क्षेत्र के नवासियों के लयि केंद्र की प्रमुख [आयुषमान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना \(ABPMJAY\)](#) के कार्यान्वयन को मंजूरी दी है।

- **ABPMJAY** भारत सरकार की प्रमुख योजना है जो सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 की सफारशि द्वारा शुरू की गई थी। इसके दो अंतर-संबंधति घटक हैं - स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र (HWCs) और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY)।

### ABPMJAY के बारे में:

#### परचिय:

- PMJAY विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा/आश्वासन योजना है जो पूर्णतः सरकार द्वारा वतितपोषति है।
- **इसे फरवरी 2018 में लॉन्च किया गया था**। यह द्वतीयक देखभाल (जसिमें वशिषज्ज शामिल नहीं है) के साथ-साथ तृतीयक देखभाल (जसिमें वशिषज्ज शामिल है) के लयि **प्रति परिवार 5 लाख रुपए** की बीमा राशि प्रदान करती है।
- PMJAY के तहत लाभार्थियों को सेवा हेतु यानी अस्पताल में कैशलेस और पेपरलेस सेवाओं तक पहुँच प्रदान की जाती है।
- स्वास्थ्य लाभ पैकेज में सर्जरी, दवा एवं दैनिक उपचार, दवाओं की लागत और नदिन शामिल हैं।
  - पैकेज दरें (इसमें सभी शुल्क शामिल हैं ताकि प्रत्येक उत्पाद या सेवा के लयि अलग से शुल्क न लयि जाए)।
  - ये लचीले हैं लेकिन एक बार तय होने के बाद अस्पताल लाभार्थी से अधिक शुल्क नहीं ले सकते हैं।

#### लाभार्थी:

- यह एक पात्रता आधारति योजना है जो नवीनतम [सामाजक-आर्थक जातजनगणना](#) डेटा द्वारा पहचाने गए लाभार्थियों को लक्षति करती है।
  - एक बार डेटाबेस द्वारा पहचाने जाने के बाद लाभार्थी को बीमाकृत माना जाता है और वह कसि भी सूचीबद्ध अस्पताल में उपचार कर सकता है।

#### वतितयन:

- इस योजना का वतितपोषण संयुक्त रूप से कयिा जाता है- सभी राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों के मामले में केंद्र और वधियकि के बीच 60:40, पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर, हमिचल तथा उत्तराखंड के लयि 90:10 एवं वधियकि के बनिा केंद्रशासति प्रदेशों हेतु 100% केंद्रीय वतितपोषण।

#### नोडल एजेंसी:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) को राज्य सरकारों के साथ संयुक्त रूप से PMJAY के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु सोसायटी पंजीकरण अधनियम, 1860 के तहत एक स्वायत्त इकाई के रूप में गठति कयिा गया है।
- राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (SHA) राज्य में ABPMJAY के कार्यान्वयन के लयि जमिेदार राज्य सरकार का शीर्ष नकिय है।

### PMJAY के कार्यान्वयन में चुनौतियाँ:

#### ■ राज्यों का सहयोग:

- 'चुँक' 'स्वास्थ्य' राज्य का वषिय है और राज्यों द्वारा इस योजना के वतितपोषण में 40% का योगदान दिया जाएगा, इसलिये मौजूदा 'राज्य स्वास्थ्य बीमा योजनाओं' का 'आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के साथ समन्वय स्थापति करना महत्त्वपूर्ण होगा।
  - पश्चिमि बंगाल और ओडिशा ने इस योजना को लागू नहीं किया है।

#### ■ लागत का बोझ:

- देखभाल प्रदाताओं और केंद्र के बीच लागत एक वविादति मुद्दा है तथा कई अस्पताल सरकार के प्रस्तावों को अव्यावहारिक मानते हैं।

#### ■ अपर्याप्त स्वास्थ्य क्षमताएँ:

- सार्वजनिक क्षेत्र की खराब स्वास्थ्य क्षमताओं में सुधार के लिये नजी क्षेत्र के प्रदाताओं के साथ आवश्यक भागीदारी और गठबंधन की आवश्यकता है।
- ऐसी परिस्थितियों में सेवाओं का प्रावधान तभी सुनिश्चित किया जा सकता है जब प्रदाताओं को उनकी सेवाओं के लिये जवाबदेह ठहराया जाए।

#### ■ अनावश्यक उपचार:

- 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017' में माध्यमिक और तृतीयक अस्पतालों से शुल्क के बदले स्वास्थ्य सेवाओं की "रगनीतिक खरीद" का प्रस्ताव शामिल है।
- स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ अनुबंध जो कवित्तीय मुआवजा पैकेज प्राप्त करेंगे, उन्हें स्पष्ट रूप से अधिसूचित दिशा-निर्देशों और मानक उपचार प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा ताकि अनावश्यक उपचार की संभावना को लेकर जाँच की जा सके।

## योजना की उपलब्धियाँ:

#### ■ गरीबों के लिये फायदेमंद:

- कार्यान्वयन के पहले 200 दिनों में PMJAY ने 20.8 लाख से अधिक गरीब और वंचित लोगों को लाभान्वित किया है, जिनमें 5,000 करोड़ रुपए से अधिक का निःशुल्क इलाज मलि चुका है।

#### ■ कोविड-19 के दौरान:

- शुरुआत से ही PMJAY की एक प्रमुख विशेषता इसकी पोर्टेबिलिटी है, जो यह सुनिश्चित करने में मदद करती है कि प्रवासी श्रमिक देश में कहीं भी सूचीबद्ध अस्पताल में अपना इलाज करवा सकते हैं, भले ही उनके निवास की स्थिति कुछ भी हो।

## आगे की राह

- भारत के अपने [सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज \(UHC\)](#) के लक्ष्यों को पूरा करने में ABPMJAY कार्यक्रम बड़े स्तर पर महत्वाकांक्षी प्रणालीगत सुधार का अवसर प्रस्तुत करता है।
  - इसके लिये लंबे समय से कम वतितपोषित स्वास्थ्य प्रणाली में संसाधनों को शामिल करने की आवश्यकता होगी, यद्यपि यह योजना भारत को UHC की ओर नरितर गति प्रदान करने के लिये है, अतः इसके साथ शासन, गुणवत्ता नियंत्रण और प्रबंधन के परस्पर संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिये।
  - भारत में स्वास्थ्य देखभाल पर सार्वजनिक व्यय वैश्विक स्तर पर सबसे कम है।
- प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के उचित उपयोग से स्वास्थ्य सेवा की समग्र लागत को और कम किया जा सकता है। एआई-पावर्ड मोबाइल एप्लीकेशन (AI-Powered Mobile Applications) उच्च गुणवत्तापूर्ण, कम लागत, स्मार्ट वेलेनेस समाधान प्रदान कर सकते हैं। आयुष्मान भारत हेतु स्केलेबल (Scalable) और इंटर-ऑपरेबल (Inter-Operable) आईटी प्लेटफॉर्म इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

## स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स